हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 25 दिसंबर, 2023

12 नपा के वार्ड 2 में आठ महीने से सीवर लाइन ओवरफ्लो

12 सम्मान रैली की तैयारियों को लेकर जी-जान से जुट जाएं कार्यकर्ता

## वर्कशॉप भवन के हैंडओवर की मिली अनुमति, ठेकेदार को छह माह में भवन की सभी कमियों को करना होगा दूर

### वर्ष 2024 में मिल सकता है महेंद्रगढ़ को वर्कशॉप का तोहफा

- भवन की कमियां दूर होने तक संबंधित ठेकेदार की बकाया राशि, बैंक गारंटी की राशि पर लगेगी रोक

महेश कुमार ⏭ महेंद्रगढ़

सरकार की ओर रोडवेज विभाग को वर्कशॉप भवन को हैंडओवर करने की अनुमति मिल गई हैं। छह माह में वर्कशॉप भवन को हैंडओवर करने से पहले छह माह में भवन का निर्माण करने वाले ठेकेदार को भवन की सभी कमियां दूर करनी होगी। वहीं जब तक भवन कमियां दूर नहीं हो जाती तो पीडब्लूडी (बी एंड आर) विभाग को ठेकेदार की बकाया राशि तथा बैंक गारंटी की राशि की अदायगी नहीं की जाएंगी। इसके लेकर हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के निदेशक की ओर से रोडवेज महाप्रबंधक व लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र जारी कर दिया हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि वर्ष 2024 में महेंद्रगढ़ को वर्कशाप का तोहफा मिल सकता हैं। वर्कशॉप भवन शुरू होने के बाद स्थानीय बस स्टैंड पर ही रोडवेज बसों मेंटीनेस संबंधित सभी कार्य होने शुरू हो जाएंगे।

### 4 साल पहले बनकर तैयार हुआ सब डिपो की कार्यशाला, अभी तक नहीं हुआ उद्घाटन

#### 9 साल से है वर्कशॉप का इंतजार

वर्ष 2014 में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आईटीआई ग्राउंड में रैली के दौरान क्षेत्र की मांग पर महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर सब डिपो बनाने की घोषणा की थी। घोषणा करने के बाद विधानसभा चुनाव आ गए थे। भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह घोषणा ठंडे बस्ते में चली गई। सामाजिक संगठनों लोगों ने वर्ष 2018 में महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर सांकेतिक धरना प्रर्दशन के बाद 21 जुलाई 2019 को पूर्व परिवहन मंत्री कृष्ण पंवार ने महेंद्रगढ़ सब का निर्माण कार्य नारियल तोड़कर शुभारंभ करवाया था और सरकार ने सब डिपो के निर्माण कार्य के लिए 6 करोड़ 70 लाख रुपये का बजट मंजूर किया। इसके बाद करीब 6 माह तक इसका कार्य लटका रहा। फिर सामाजिक संगठनों द्वारा लघुसचिवालय में जिला उपायुक्त को कई बार ज्ञापन देने पर सब डिपो का निर्माण कार्य शुरू हो पाया। एक फरवरी 2021 को अड्डा इंचार्ज को चांबी सौंप दी गई थी, लेकिन तब से इसका उद्घाटन ही नहीं हुआ है। कई बार रोडवेज के उच्च अधिकारी सब डिपों की वर्कशॉप का निरीक्षण कर चुके हैं।



महेंद्रगढ़। सब डिपो का भवन। फोटो : हरिभूमि

#### ठेकेदार कई बार कर चुके है भवन की कमियां दूर

एक फरवरी 2021 को ठेकेदार की ओर से भवन को तैयार कर दिया था, लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं हो पाया हैं। कई बार रोडवेज विभाग के उच्च अधिकारियों की भवन का निरीक्षण किया चुका है। निरीक्षण के दौरान निकाली जानी कमियों को ठेकेदार की ओर से कई दूर किया जा चुका हैं। भवन चार वर्ष से बंद हैं। बंद भवन दीमक सहित अन्य कमियां आती रही हैं। वहीं बाजरे की खरीद भी वर्कशॉप भवन में ही हुई थी। इस दौरान भवन में काफी कमियां आ गई हैं। जिस कारण ठेकेदार को भवन कमियां दूर करने में परेशानी कराने में परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। बीते साल में भवन में लगे इलैक्ट्रिक सामान की गारंटी भी समाप्त हो चुकी हैं।

#### जल्द दूर कराई जाएंगी कमियां

लोक निर्माण विभाग के जेई अनिल कुमार ने बताया कि परिवहन विभाग की ओर जारी किया गया पत्र मिल चुका हैं। संबंधित ठेकेदार को भवन की कमियां दूर करने के आदेश जारी कर दिए हैं। ठेकेदार की ओर ही सभी कमियां दूर की जाएंगी।

## खबर संक्षेप

### निजी स्कूल बस ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर

**मंडी अटेली।** गांव नांगल में निजी स्कूल बस की टक्कर से बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसको उपचार के लिए जयपुर निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल महिला के बेटे की शिकायत पर अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। रामनिवास ने बताया कि 22 दिसंबर को उसकी मां घर के गेट के बाहर टहल रही थी।

### ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार छात्र को राशि वापस दिलवाई

**नारनौल।** ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार हुए एक विद्यार्थी को उसकी रकम वापस मिल गई है। पीड़ित ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 व ऑनलाइन पोर्टल साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें उसने बताया कि उसके खाते से 99000 रुपये कट गए हैं। पीड़ित की शिकायत साइबर क्राइम थाना की टीम के पास पहुंची।

### लैंड मोरगेज बैंक के रिटायर्ड एफओ का निधन

**महेंद्रगढ़।** बार एसोसिएशन प्रधान राजीव यादव एडवोकेट व दिनेश यादव नांगल सिरोही मंडल अध्यक्ष भाजपा के ताऊ लैंड मोरगेज बैंक के रिटायर्ड एफओ राव शेरसिंह का शनिवार को 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका दांह संस्कार उनके पैतृक गांव नांगल सिरोही में ही किया गया।

### समाजसेविका शांति देवी का हुआ निधन

**महेंद्रगढ़।** जीवन के सौ वर्ष पूरा करने वाली शांति देवी पत्नी स्व. किशोरीलाल का ह्रदय गति रुकने से निधन हो गया है। उनका दाह संस्कार मोदा आश्रम के पास श्मशान घाट में किया गया। मृतका अपने पीछे पांच पुत्र उनकी पत्नियां तथा 19 पोते तथा प्रपौत्रों सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गई है। स्व. शांति देवी मृद, सौम्य स्वभाव की धनी होने के साथ-साथ शिक्षित महिला थी।

### सरसों के कट्टे चोरी करने वाला गिरफ्तार

**कनीना।** खैराना वासी किसान के भोजावास में बने ट्यूबवेल पर मकान के कमरे से सरसों के कट्टे चोरी करने के आरोप में पुलिस के विशेष दस्ते ने एक व्यक्ति को पड़तल क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान नरेंद्र उर्फ ढिल्लू वासी आलमपुर थाना तोशाम जिला भिवानी के रूप में हुई है। जिसे एसडीजेएम कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। चोरी की अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

### श्रीगौड़ सभा कनीना की बैठक आज

**कनीना।** गौड़ सभा की ओर से 25 दिसंबर को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैमोरियल क्लब में बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सामाजिक ज्वलंत मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा। सभा के प्रधान रविंद्र कौशिक ने बताया कि बैठक से पूर्व देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं कवि अटल बिहारी वाजपेयी तथा पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती पर उन्हें नमन किया जाएगा।

### बाबा हरनामगिरी का मेला 5 को

**मंडी अटेली।** बाबा हरनामगिरी का जागरण 4 जनवरी रात्रि व 5 जनवरी को भंडारा एवं विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। जानकारी देते हुए ब्लॉक समिति मेंबर प्रतिनिधि अनिल मेचू ने बताया कि विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं होंगी। मेले में कबड्डी व वॉलीबॉल प्रथम विजेता टीम को 41 हजार व द्वितीय विजेता टीम को 31 हजार रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

## शोभापुर पॉवर हाउस के कर्मचारियों की मनमानी पर बिफरे ग्रामीण

# शोभापुर पॉवर हाउस के कर्मियों के व्यवहार से लोग दुखी

### ग्रामीणों ने पॉवर हाउस पर जाकर करीब तीन घंटे तक किया धरना-प्रदर्शन एवं रोड जाम किया आयोजित, तब जाकर हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शोभापुर गांव में बने पॉवर हाउस के कर्मचारियों की मनमानी के खिलाफ रविवार प्रातः गांव शोभापुर, भूषण कलां एवं भूषण खुर्द के ग्रामीण बिफर पड़े। ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रातः करीब नौ बजे न केवल पॉवर हाउस में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया, बल्कि नारनौल से बहरोड़ जाने वाले मार्ग के आरपार ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी करके उसे जाम भी कर दिया। इससे मार्ग कई घंटे तक अवरुद्ध रहा। बाद में सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस तथा ग्रामीण क्षेत्र के एसडीओ विक्रांत यादव मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को एक सप्ताह में आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात ग्रामीण शांत हुए तथा अपने घरों को चले गए। पंचायत समिति मैंबर राजसिंह, शोभापुर के सरपंच जितेंद्र, भूषण खुर्द सरपंच रिंकू यादव, भूषण सरपंच प्रतिनिधि राकेश, मुकेश नंबरदार, जितेंद्र नंबरदार, गजराज, कर्मबीर चौधरी, रोशनलाल एवं अनिल आदि समेत शोभापुर, भूषण कलां एवं भूषण खुर्द के सैकड़ों ग्रामीण शोभापुर में बने पॉवर हाउस पर पहुंचे तथा वहां पर तालाबंदी करके धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों का आरोप था कि पॉवर हाउस के कर्मचारी मनमानी करते हैं तथा ग्रामीण जनप्रतिनिधियों के फोन को ब्लॉक मारकर रखते हैं। जब किसानों की प्रमुख आमदनी वाली रबी फसल की सिंचाई चरम पर चल रही है, तब बिजली आपूर्ति में मनमानी करते हैं। इससे किसान फसलों की सिंचाई समय पर नहीं कर पा रहे हैं तथा फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि इस समय सरसों एवं गेहूं की फसल में पहली सिंचाई बहुत जरूरी है, लेकिन अनेक किसान बिजली आपूर्ति नहीं छोड़ने से परेशान हैं। बिजली देते हैं तो रात को देते हैं, जबकि फुल वोल्टेज दैनिक आवश्यक कायार्ं के लिए दिन के समय भी कम से कम एक घंटा अवश्य आनी चाहिए। उनका कहना था कि शोभापुर फीडर पर शुरूआत में जितने गांव थे, उनमें और गांव जोड़कर इसका लौड बढ़ा दिया गया है। इससे सभी किसानों खासकर ग्रामीणों को पूरी बिजली नहीं मिल पा रही है। उन्होंने बताया कि बिजली कर्मचारी उनके फोन तक नहीं उठाते हैं, जबकि वह ग्रामीण जनप्रतिनिधि के रूप में प्रशासन एवं सरकार की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। कर्मचारी उन्हीं लोगों के फोन उठाते हैं, जो इनकी सेवा करते हैं या दारू-दपड़ पिलाते हैं। यहां का स्टाफ किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन की लोकशन चेंज करने पर परेशान करता है तथा उन्हें डरा-धमका कर उनसे अवैध वसूली करता है।

नारनौल। शोभापुर पॉवर हाउस में धरना देते ग्रामीणों से बात करते एसडीओ विक्रांत यादव। फोटो : हरिभूमि



नारनौल। सड़क के आरपार ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी करने लगा रोड पर जाम।

#### तीन घंटे बाद पहुंचे एसडीओ

जब ग्रामीण किसान धरना देकर पॉवर के अंदर दरी बिछाकर बैठ गए, तब करीब तीन घंटे बाद लगभग 12 बजे ग्रामीण क्षेत्र के एसडीओ विक्रांत यादव मौके पर पहुंचे। उनके साथ ही कार्यकारी अभियंता के प्रतिनिधि के तौर पर अटेली से भी बिजली कर्मचारी मौके पर आए। जिन्हें ग्रामीणों ने एक मांग पत्र भी सौंपा।

#### ये उठाई हैं लिखित मांगें

ग्रामीणों ने लिखित मांग की है कि भूषण, शोभापुर हेतु अलग से ट्रांसफार्मर होना चाहिए और इसमें किसी अन्य गांव को नहीं जोड़ा जाए। पैट सिस्टम सुचारु रूप से बिजली नहीं देते हैं। इन्हें ठीक किया जाए। इस पॉवर हाउस में पहले जो गांव थे, वही गांव रखे जाएं। हमारे फीडर से कोई अन्य गांव नहीं जोड़ा जाए। यहां का स्टॉफ जनप्रतिनिधियों जैसे गांव के पंच, सरपंच पंचायत सतिति सदस्यों के फोन तक नहीं उठाते और गांव के अधिकत्तर लोगों के फोन ब्लैक लिस्ट में डाल रखे हैं। इसलिए यहां के सारे स्टॉफ का बदला जाए। बिजली देने का शेड्यूल एक-एक सप्ताह का किया जाए। जब लाइट फुट रात्रि में आती है तो एक घंटा दिन में भी फुल बिजली दी जाए। एक फेस में डिम लाइट रेगुलर दी जाए। स्टाफ केवल अपने निजी लोगों के फोन उठाते हैं, बाकि के साथ बदतमीजी करते हैं।

## घना कोहरा छाया, न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस किया गया दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव व तापमान में उतार-चढ़ाव लगातार देखने को मिल रहा है। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान में फिर से गिरावट आई, जबकि दिन में सूर्य की चमकदार धूप खिली रहने से सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में दिन के तापमान में हल्की बढ़त दर्ज हुई है। मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्रमोहन ने बताया कि रविवार को अधिकतर स्थानों पर अधिकतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस से 25.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन का तापमान क्रमशः 23.0 डिग्री सेल्सियस व 21.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हरियाणा एनसीआर दिल्ली में रात्रि तापमान 4.0 डिग्री सेल्सियस से 10.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का रात्रि तापमान क्रमशः 6.2 डिग्री सेल्सियस व 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जिले में रविवार सुबह साढ़े नौ बजे तक कोहरा भी देखने को मिला। मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्रमोहन ने बताया कि आने वाले दो-तीन दिनों के दौरान हरियाणा एनसीआर दिल्ली विशेषकर जिला महेंद्रगढ़ में रात्रि तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज होगी, साथ ही साथ सुबह के कोहरा छाया रहने की संभावना है। इसके अलावा 27 दिसंबर व 31 दिसंबर को दो कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मौसम में बदलाव व तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

नारनौल। खेतों में छाया कोहरा।

### अखबार विक्रेता कपिल के पिता का निधन

**महेंद्रगढ़।** अखबार विक्रेता कर्मयोगी कपिल जांगड़ा के पिता जगदीश प्रसाद जांगड़ा का ह्रदय गति रूकने से निधन हो गया। उनका दाह संस्कार मोदाश्रम स्थित श्मशान घाट में किया गया है। मृतक अपने पीछे तीन पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गए है। उनके बड़े पुत्र राजेश जांगड़ा ने मुखाग्नि दी। उनकी अंतिम यात्रा में इलाके के गणमान्य लोगों ने शामिल होकर दुख व्यक्त किया व शोकाकुल परिवार को सांत्वना देकर भगवान से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। दिवंगत जगदीश प्रसाद जांगड़ा सामाजिक व धार्मिक विचारों के व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने हमेशा सभी से मेलजोल रखते हुए समाज को एक नई दिशा देने का कार्य किया।

जगदीश जांगड़ा का फाइल फोटो।

## सांसद कल्याण बनर्जी का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अखिल भारतीय परशुराम वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा नेता वैद्य किशन वशिष्ठ द्वारा आयोजित टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप आजाद चौक में पुतला जलाया गया। पुतला दहन कार्यक्रम में वैद्य किशन वशिष्ठ के साथ लोग मौजूद रहे, जिन्होंने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी करके अपना रोष प्रकट किया। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता वैद्य किशन वशिष्ठ ने कहा कि हिंदुस्तान के उपराष्ट्रपति कोई साधारण व्यक्ति न होकर देश के संवैधानिक पद पर विराजमान है, उनके विरुद्ध टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा किया गया अमर्यादित कृत्य घोर निंदनीय है। इस देश के 135 करोड़ हिंदुस्तानी किसी कीमत पर इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। वैद्य किशन वशिष्ठ ने कल्याण बनर्जी को मानसिक रूप से बीमार, घटिया एवं मानवता पर कलंक करार देते हुए कहा कि पुतला दहन तो मात्र चेतावनी है। यदि टीएमसी सांसद की सदस्यता समाप्त नहीं की गई तो उनके दिल्ली निवास के बाहर वे अपने समस्त साथियों के साथ बनर्जी का विरोध करेंगे।

नारनौल। आजाद चौक में सांसद कल्याण बनर्जी का पुतला दहन करते वैद्य किशन वशिष्ठ एवं समर्थक। फोटो : हरिभूमि

#### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मोहित नूनीवाला, रिटायर्ड थानेदार महावीर यादव, गोविंद पांडे, राहुल सोनी, भूपेंद्र पहलवान, यशपाल शर्मा चायवाला, कविंद्र पाहुजा, पंकज जैन, अजीत पहलवान नसीबपुर, अजीत पीटीआई, शिवकुमार, दिनेश सोनी, अभिषेक सैनी, सोनू फोगाट, रवि सैनी, रॉकी सैनी, मोहित वर्मा व लक्ष्मण चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

## खरीदारी के समय मोल-भाव जरूरी

- आमजन को जागरूक करने के लिए हर वर्ष 24 दिसंबर को उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अरूण कुमार की अध्यक्षता में रविवार को सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी कार्यालय में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी ने कहा कि आमजन को जागरूक करने के लिए हर वर्ष 24 दिसंबर को उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। जागो ग्राहक जागो के माध्यम से ग्राहकों को प्रेरित करते हुआ कि हर व्यक्ति को सामान खरीदते समय मोल-भाव अवश्य करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि व्यक्ति को सामान खरीदते समय पक्का बिल अवश्य लेना चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ता फार्म में अपील कर सकें। इस अवसर पर विभाग के निरीक्षक रविकुमार ने अपने संबोधन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के बारे में जानकारी दी और बताया कि सार्वजनिक एवं सरकारी क्षेत्र में यह अधिनियम लागू होता है, इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर संरक्षण प्रदान करना है। निरीक्षक प्रीति यादव ने उपभोक्ताओं को बताया कि घर का गैस सिलेण्डर लेते समय उसका वजन अवश्य करवाना चाहिए और सभी राशन की दुकान से सामान तौलकर लेना चाहिए तथा उनका बिल अवश्य लेना चाहिए। इस मौके पर विभाग के उपनिरीक्षक कानाराम, कविता व डिपोधारक उपस्थित थे।

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अरूण कुमार। फोटो : हरिभूमि

### पशुपालक किसान से 1.90 लाख ठगे

## भैंस की डेयरी खोलने के नाम पर लाखों की ठगी

- ऑनलाइन फेसबुक के जरिए भैंस खरीदना चाहता था किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

ढाणी हरसुख तन भौड़ी निवासी एक पशुपालक किसान के साथ भैंस की डेयरी खोलने के नाम पर करीब 1.90 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। साईबर सैल ने केस दर्ज करने उपरांत जांच शुरू कर दी है। हरसुख की ढाणी निवासी दलीप सिंह यादव ने बताया कि वह खेतीहर किसान तथा अपने घर पर भैंस रखकर डेयरी की हुई है और इसी से कमाई करके अपने परिवार का गुजारा करता है। उन्होंने बताया कि इस डेयरी के लिए उसे कुछ भैंस की आवश्यकता थी। इसलिए उसने ऑनलाइन फेसबुक के जरिए भैंस खरीदना चाहा। उन्होंने बताया कि फेसबुक पर उसका भैंस डेयरी फार्म बाजरा जिला झांसी के एक मोबाइल नंबरों पर उसका संपर्क हुआ तथा डेयरी फार्म संचालक से उसकी बातचीत हुई। संचालक ने भैंस की दो फोटो उसके वाट्सअप पर भेजी और चयन करने के लिए कहा। दोनों भैंस की कीमत 60-60 हजार यानि 1.20 लाख रुपये बताई। संचालक ने टोकन मनी के तौर पर करीब दस हजार रुपये विनोद कुमार सिंह के खाता में जमा करवाने के लिए कहा। इस पर उसने फोन पे के जरिए दस हजार रुपये विनोद के खाते में जमा करवा दिए। संचालक ने बताया कि वह दोनों भैंस पिकअप में लौड करके भेज देंगे, बाकी पेमेंट भैंस आने पर अदा कर देना। पीड़ित ने बताया कि अगली सुबह डेयरी संचालक का फोन आया कि दोनों भैंस पिकअप में लौड करके चल पड़ी हैं। उन्होंने इसकी वीडियो बनाकर भी भेजी तथा बताया कि गाड़ी में जीपीएस लगी है, जिसका हैड ऑफिस मुंबई में है। गाड़ी बीच में लोकेशन छोड़ देती है। इसलए प्रति भैंस 27500 रुपये यानि 55 हजार रुपये जमा करवाने पड़ेंगे। फिर 31 हजार रुपये और फिर 25 हजार रुपये और पुनः 31 हजार रुपये जमा कराने को कहा। साथ ही यह भी बताया कि गाड़ी में दो लाख रुपये रखे हैं। यदि रुपये ज्यादा जमा हो जाएंगे तो उन दो लाख रुपये में से वापस कर दिए जाएंगे। इससे प्रार्थी झांसे में आता रहा और फिर 31 हजार, 38 हजार तथा पांच-पांच हजार रुपये करके कई बार राशि ऑनलाइन खातों में जमा करवाई। पैसे जमा करवाने उपरांत डेयरी संचालक का फोन आया की भैंस वाली गाड़ी बहरोड़ बस स्टैंड के सामने खड़ी है और 41 हजार रुपये और जमा करवा। इस पर पीड़ित को शक हुआ तथा अपना वाहन लेकर तुरंत बहरोड़ बस स्टैंड गया। वहां से पीड़ित ने डेयरी संचालक से संपर्क किया तो उसने 41 हजार रुपये और मांगे और भैंस डेढ़ घंटे में पहुंच जाने की बात कही, लेकिन शक होने पर यह पैसा जमा नहीं करवाया और भैंस भी नहीं पहुंची। तब तक पीड़ित करीब 1.90 लाख रुपये ऑनलाइन खाते में भेज चुका था।

*मेरी आत्मा बड़ी सुलझी हुई बात कह देती है कभी-कभी। अच्छी आत्मा 'फ़ोल्डिंग' कुर्सी की तरह होनी चाहिए। ज़रूरत पड़ी तब फैलाकर उस पर बैठ गए; नहीं तो मोड़कर कोने में टिका दिया।*

**-हरिशंकर परसाई**

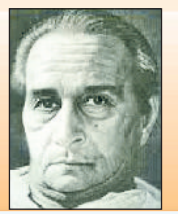

*अभी जब वह अपने कमीज़ और दुपट्टे को समेत कर बैठी तो लगा कि किसी हंसनी ने घास के इस झील में डुबकी लगा दी हो! लम्बी पलकों की पंखुरियों को उठाना, मानो कली चटक गई हो।' वह नर्म दूब के पौधे को उखाड़ कर हथेलियों से रगड़ रही थी और उसका चेहरा लाल हो उठा था।*

कहानी | जयन्त

# गोपा

जाड़े के दिनों में जब दिन बड़े होने लगे थे, दोपहर की गुनगुनी धूप में शिरीष के पेड़ के नीचे नर्म दूब पर लेटना कितना अच्छा लगता था। युवक-युवतियाँ झुंडों में बैठ कर बातें करते, कुछ पत्रिकाओं के पन्ने पलटे जाते, कुछ अपने लिखे नोटस दुहराए जाते, कुछ सिगरेटों को फूँका जाता, पान की गिल्लौरियाँ चबाई जातीं, विभिन्न मुद्दों पर नरम-गरम बहस होती, हँसी-ठहाके गूँजते और इस बीच कुछ युवतियाँ निरूद्देश्य तिनकों और कंकड़ों को उछालतीं या फिर उन्हें चुहलवश एक-दूसरे पर फेंकती रहतीं। क्लास के लिए घंटी बजती तो कुछ

कैम्पस की गेट की तरफ चले जाते तो कुछ कक्षाओं की तरफ चले जाते। पिछली शताब्दी में कॉलेजों में कुछ ऐसी ही रौनक रहा करती थी। अब कॉलेजों की भीड़ टेक्निकल कॉलेजों की ओर चली गई है परन्तु वहाँ इस तरह का माहौल नहीं मिलता। सब कुछ यत्रवत सा हो गया है। सभी अपने भविष्य को ले कर चिंतित रहते हैं। पहले कुछ सैटलमेंन्ट हो जाए तब मौज-मस्ती!

ऐसी ही एक अलसायी ढलती दोपहर में गौतम अपनी किताब-कॉपी बगल में रखे अधलेटा सा कुछ पढ़ रहा था। वह एक पत्र था जो उसके पिता जी ने घर से भेजा था। पत्र में उसे आने को कहा गया था। उसके साथियों के झुंड कैंटीन की तरफ चले गए थे। कुछ लड़कियाँ थोड़ी दूर पर बैठीं हुई थीं। गौतम पत्र दो बार पढ़ चुका था और मन ही मन कुछ हिसाब लगा रहा था। सहसा किसी ने पत्र को उसके हाथों से झटक लिया - यह सलीम था।

'अरे ! सलीम क्या कर रहे हो ?'

'क्या कर रहे हो ऽ ऽ ऽ. . .!' सलीम फटे ढोल की तरह बज उठा, उसके होठों पर हँसी थी, प्रिय गौतम! ऽ ऽ . . . सेंडर्स एड्रेस नदारथ ऽ ऽ.' गौतम ने पत्र छीनने का असफल प्रयास किया। -'. . . और भेजने वाली का नाम भी गायब, . . . .क्यों मियाँ!' उफ कितनी तेज आवाज़ थी उसकी तभी घंटी बजी।

'नहीं सलीम, फादर का लेटर है।'

'फादर का लेटर है !". हमसे छिपाते हो. . . .?'

'क्या है'

कई स्वर एक साथ उभरे। लड़कियों का झुंड करीब आ चुका था।

'क्या है. .?' गौतम लगातार पत्र लेने का प्रयास कर रहा था।

'क्या है क्या! . . .गुरु की मंगेतर का लेटर है!'- कहते हुए उसने पत्र उसे लौटा दिया। सलीम ने फिर से कहने का प्रयास किया कि पत्र उसके पिता का है परन्तु उसकी आवाज़ दब कर रह गई।

'हो . .ऽ ऽ. .!'- की एक-दो आवाज़ आई और फिर किसी ने जोरदार हल्ला मचाया -

'हुर्रे . . . तो फिर पार्टी पक्की।'

'नहीं-नहीं पिता जी का पत्र है। ऐसी कोई बात ही नहीं है।'- गौतम ने कान बंद करते हुए जोर से चिल्ला कर कहा।

'मिठाई खिलाने से डरते हैं ?'

अल्का ने कहा और फिर से शोर उठा तभी मिस्टर कैम्ब्रिज, उर्फ मिस्टर पी. सी. बोस उनके बीच आ पहुँचे। सभी लेक्चर थिएटर में चले गए। कक्षा चल रही थी और गौतम उधेड़-बुन में लगा था कि पैसे का कैसे प्रबंध करे और कैसे घर जाए? मिस्टर कैम्ब्रिज तेज़ स्वभाव वाली नायिका का कैरेक्टर समझा रहे थे। महीने में दो दिन और बचे हैं - गौतम सोच रहा था। उधर मिस्टर बोस समझा रहे थे कि किस प्रकार नायिका ने नायक को उल्लू बनाया और जब नायक ने उसके गिफ़्ट पार्सल को खोला तो उसमें उसे नायिका रोज़लिन का पुराना सैंडिल मिला।

'हे. . .यू, व्हाट आर यू थिंकिंग?' मिस्टर बोस ने गौतम की ओर संकेत किया तभी घंटी बज गई। किसी ने पीछे से कहा - 'वे गोपा के विषय में सोच रहे हैं।. . .कि अब क्या होगा?' मिस्टर बोस ने उठते हुए कहा - 'आई सी बट शी इज़ लाइक रोज़लिन।' गौतम ने दो बेंच आगे बैठी गोपा को देखा, उसका चेहरा सिंदूरी हो उठा था, सभी हँस रहे थे। उसने ज़ोर से कहा 'मेरे पास पुराना सैंडिल है।. . .पार्सल कर दूँगी।'- उसने गुस्से में भनभनाते हुए कहा। मिस्टर बोस तबतक आगे जा चुके थे शायद जानबूझ कर अनजान बनते हुए ! थोड़ी देर में कक्षा खाली हो गई। गौतम धीमे कदमों से बाहर निकल आया। उससे आगे दो-चार लडकियाँ आपस में बातें करती हुई चल रही थीं। गोपा ठीक उसके पीछे थी। उसने मद्धिम स्वर में पुकारा - 'गौतम जी . . . ।'

'क्या बात है. . .गोपा जी?'

'आप से कुछ बात करनी थी . . .।'

'क्या. .बोलो?'

'अभी नहीं, . . .जब आसपास कोई नहीं रहेगा तब।'

'लेकिन कब?'

'मिलेंगे, कहेंगे . . .आप फ्री मिलें तब तो? . . . हर समय तो . .।'

बात अधूरी छोड़ कर वह दूसरी तरफ़ चली गई। क्या कहना चाहती है? वह भी मैं जब फ्री मिलूँ! ऐसे तो कभी बात नहीं करती वह। आज तक कोई विशेष बात भी नहीं . . .किया उसने? क्या कहना कहती है? वह उसकी बात मन ही मन दोहराता रहा। प्रायः लड़के-लडकियाँ उन्हें छेड़ा करते थे 'गोपा और गौतम'- 'गोपा और गौतम', वह आगे बढ़ गया।

गौतम को घर से लौट कर आए तीन-चार दिन गुजर चुके थे। जाड़े कि एक वैसी ही दुपहर में जब वृक्षों कि परछाईयाँ पूरब की तरफ आड़े-तिरछे लम्बी हो आईं थीं, घने लता कुंज के पास गौतम घुटने पर दोनों हाथ बांधे बैठा था। हिन्दी की कक्षा थी प्रोफेसर राम साहेब की और वे यशोधरा पढ़ाते थे।. . . कौन जाएगा, गोपा-गौतम वाला प्रसंग चल रहा है, अगले चैप्टर के आने पर ही क्लास करूँगा। जाने का अर्थ है वह दिमाग चाटेगा और सभी मुझे और गोपा को चिढ़ाएँगे। दूर से तरणताल का जल नीला-नीला दिखाई पड़ रहा था और ठंडी हवा उस जल के स्पर्श से और भी सिहर गई थी।. . .तभी . .सहसा ही गोपा आती दिखाई पड़ी। वह नजदीक आई, गौतम कुछ पूछता उसके पहले ही घास पर बैठ गई। गौतम ने उसे गहरी नज़रों से देखा और मन ही मन कहा, 'कितनी अच्छी लगती है गोपा ! . . . अभी जब वह अपने कमीज़ और दुपट्टे को समेत कर बैठी तो लगा कि किसी हंसनी ने घास के इस झील में डुबकी लगा दी हो! लम्बी पलकों की पंखुरियों को उठाना, मानो कली चटक गई हो।' वह नर्म दूब के पौधे को उखाड़ कर हथेलियों से रगड़ रही थी और उसका चेहरा कुछ कहने के लिए लाल हो उठा था।

गौतम को याद आया एक बार उसे खिलखिला कर हँसते देखा था, जब वे कैंटीन में बैठे थे और सलीम ने जल्दीबाजी में पानी का पूरा ग्लास अपने पर उढ़ेल लिया था।. . .वह सामने कि मेज़ पर बैठी हुई थी और यह देख कर ज़ोरों से हँस पड़ी थी, एकदम उन्मुक्त हँसी। गौतम को ऐसा लगा था कि किसी ने मखमल की मंजूषा को खोल कर मोतियों को बिखेर दिया हो।. . . और उस क्षण को वह कैसे भूल सकता है जब कक्षा में जाते समय गौतम की बाँह में कील चुभ गई थी और गोपा ने अपनी हथेलियों से कस कर दबा कर उसे बहते खून को रोकने का प्रयास किया था। दोनों को उस एक अव्यक्त पल ने ही तो तब से एक-दूसरे के कितना पास ला दिया था, इसका तो उन्हें आभास ही नहीं था। तभी से लड़के-लडकियाँ उन दोनों को चिढ़ाने लगे थे।

'सुनिए, . . .आपकी शादी तय हो गई है क्या . . .?'

'नहीं तो, . . .किसने कहा!'

> *"दोपहर की गुनगुनी धूप में शिरीष के पेड़ के नीचे नर्म दूब पर लेटना कितना अच्छा लगता था। युवक-युवतियाँ झुंडों में बैठ कर बातें करते, कुछ पत्रिकाओं के पन्ने पलटे जाते, कुछ अपने लिखे नोटस दुहराए जाते।"*

'आप झूठ बोल रहे हैं न? . . .उस दिन सलीम जी कह रहे थे इसीलिए तो . . .आप घर गए थे।' उसका गला रुंध गया।

'मैं नही जानती थी . . .आप मुझे' उसकी आँखों से आंसू टपटप गिरने लगे।

'यह तुम क्या कह रही हो गोपा !'

'जो अबतक नहीं कह . . . पाई।. . .और क्या कहूँगी।'

'गोपा . . ऽ ऽ. . .! तुम्हारी सौगन्ध . . .सलीम मज़ाक कर रहा था।" गोपा ने उसे गहरी नज़रों से देखा। उसके गालों पर आंसू सूख चुके थे। -". . . पर तुमने पहले कभी!'

'आपने मेरी. . .झूठी कसम खाई . . .?'

'नहीं गोपा . . मैंने झूठ कहा हो तो . . . .मैं मर जाऊँ।' 'बस . .चुप रहिए।'- उसने क्षण भर के लिए अपने कानों को हथेलियों से दबा लिया, लेकिन गोपा तुमने . . .कभी कुछ नहीं बताया!" गौतम ने उठ कर बैठते हुए अपना हाथ उसकी ओर बढ़ाया और गोपा ने उसे अपने हाथों में ले कर झुलाते हुए कहा - 'कुछ नहीं बोलूँगी. . . .बस जाइए, आपसे बात ही नहीं करूँगी . . . ।'

'गोपा, मेरी बात तो सुनो . ऽ ऽ. . .'

वह उठ खड़ी हुई, आँखों में आँखों को डाल कर स्मित हास्य से देखा और बोली "बोलना और सुनना . . . इतना ज़रूरी है क्या ?'

गौतम ने चाहा कि उसे रोक ले, पुकार ले परन्तु ऐसा नहीं कर सका। ईसा की छठी शताब्दी पूर्व गौतम ने जीवन-मरण की पहेली सुलझाई थी परन्तु गोपा को नहीं समझ सके थे, आज भी गौतम उसे नहीं समझ पाया है।

***(लेखिक वरिष्ठ साहित्यकार हैं और लगातार लेखन कर रहे हैं।)***

गीत | राजपाल सिंह गुलिया

धूल - धुएँ को फाँक - फाँक कर,
हुई हवा जहरीली .

फिरे बाँटती सबको निशिदिन,
ज़हर भरी सौगातें .
सीख चिमनियों से ली इसने,
कितनी कलुषित बातें .
ओढ़ धुआँसा बरगद मलता,
अपनी आँखें गीली .

धुआँ - धुआँ पर्यावरण जहाँ,
ढोता रोज उदासी .
प्रयासों का आश्वासन वहीं,
लेता बैठ उबासी .
हालत पतली होगी गर जो,
रही व्यवस्था ढीली .

साँसों पर संकट गहराया,
है भावों में खिन्नता .
धुँधलाए परिवेश की कहो,
पौंछे कौन मलिनता .
चौपालों से संसद तक हैं,
बातें खाली -पीली .

कविता | मोनिका राज

## दुल्हन बनती हुई मैं

तुम्हारा बेहद सफ़्फ़ाक-सा चेहरा और
तुम्हें अपने पोरों से स्पर्श करती हुई मैं।

तुम्हारा प्रेमबद्ध आलिंगन और
उसमें प्रेमातुर समाई हुई मैं।

तुम्हारे सपनों से भरे नयन और
उनमें स्वच्छंद विचरती हुई मैं।

तेरा अधूरा-सा एक ख़्वाब और
उसे हक़ीक़त करती हुई मैं।

एक मंजिल तक पहुंचने का होड़ और
उन राहों में तेरे साथ चलती हुई मैं।

एक चाहत बस तेरा हो जाने की और
धीमे-धीमे सिर्फ तुम्हारी होती हुई मैं।

एक अनंत सफ़र तक चलने की ज़िद और
उसमें तेरा हमसफ़र बनती हुई मैं।

थोड़े-थोड़े अधूरे-से तुम और
तुम्हें हरपल पूरा करती हुई मैं।

एक ख्वाहिश तुम्हें जीवनसाथी बनाने की और
उसमें बस तुम्हारी दुल्हन बनती हुई मैं।

लघुकथा | शशि किरन

## धन्यवाद सेंटा

धवलगिरि के पहाड़ो पर बर्फ गिरने लगी। इसके बावजूद बाजारों में रौनक थी। दो दिन बाद क्रिसमस जो आने वाला था। पहाड़ी पर बने एक मात्र गिरिजाघर में प्रभु यीशु के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं, गिरिजाघर को लड़ियों से सजाया जा रहा था। क्रिसमस केरॉल की मधुर धुन गूंज रही थी। गिरिजाघर के एक ओर जहां प्रार्थना की कुर्सियाँ लगी थीं वहीं गोशाला का दृश्य बनाया गया, और प्रभु यीशु के बाल रूप को सजाया गया। बाजार में सेंटा की ड्रेस पहने लोग छोटे बच्चों को टॉफी और चॉकलेट बाँट रहे थे चारों ओर रौनक ही रौनक थी। जॉन को भी हर साल सेंटा से एक उपहार मिलता, उसका बहुत मन करता कि वह सेंटा को देख सके पर सेंटा हमेशा रात को उसके सोने के बाद आते। अगले दिन उसे उपहार के साथ एक कहानी सुनने को मिलती सेंटा अपनी स्लेज में बैठकर आते हैं उपहार रखकर चले जाते हैं, आठ वर्ष का छोटा सा जॉन यह सोचता ही रह जाता कि हमेशा उसके मनचाहे उपहार सेंटा को कैसे पता चलते हैं ? तभी माँ ने खाने के लिए आवाज दी ! जॉन खाना तैयार है आता हूँ ! कहकर जॉन कमरे से बाहर आ गया। जॉन खाना खाने बैठ गया और माँ से बोला, 'माँ क्या पापा काम से नहीं लौटे ? उन्हें आज कुछ जरूरी काम था माँ ने जवाब दिया तो आप मेरे साथ खाना खा लो नहीं बेटा तुम खा लो। तुम्हारे पापा आएंगे तो मैं उनके साथ खा लूँगी,, ठीक है माँ! कहकर जॉन अपना खाना खाने लगा,, हमेशा ऐसा ही होता रहता। जॉन के पापा अक्सर देर से आते। माँ उनको खाना खिलाने के बाद खाना खातीं। जॉन को अकेले खाना पड़ता। खाना खाने के बाद जॉन सोने चला गया। माँ जॉन के पापा का इंतजार करती रहीं। आधी रात के लगभग जॉन के पापा घर आये। मां ने खाना गर्म किया और टेबल पर लगा दिया। जॉन के पापा ने रंग बिरंगी पन्नी चढा एक छोटा सा पैकेट माँ की ओर बढ़ाया। माँ मुस्कुराने लगी और बोलीं ओह्ह तो आप इसके लिए ओवरटाइम कर रहे हो। कल रात को जॉन के कमरे में रख देना। अभी इसे छुपा देती हूँ। हर साल क्रिसमस पर जॉन के माता-पिता उसके कमरे में उसका मनचाहा उपहार रख देते, उनके लिए जॉन के मनचाहे उपहार लेना सबसे बड़ा सपना होता। वे नहीं चाहते थे कि जॉन खुद को हीन महसूस करे। अगले दिन क्रिसमस से पहली रात लगभग दो बजे जॉन के सो जाने के बाद ,जॉन के पिता सेंटा बन उसका उपहार रखने आये। उन्होंने पढ़ने की मेज पर उपहार रख दिया पर जैसे ही मुड़े उनका पैर किसी चीज से टकराया। उन्होंने झुक कर देखा तो एक पैकेट था जिस पर कार्ड लगा हुआ था। जॉन के पिता कार्ड पर लिखा संदेश पढ़ने लगे। प्रिय सेंटा, आप हर साल क्रिसमस पर मुझे उपहार देते हो इस साल मैं आपके लिए उपहार लाया हूँ..! जॉन। जॉन के पिता ने पैकेट खोला उसमें एक सुंदर जैकेट था , कोने में जॉन की टूटी हुई गुल्लक पड़ी थी। जॉन के पिता की आंखें नम हो गईं, जॉन के पिता का जैकेट जगह जगह से कट गया था पर वे जैकेट नहीं ले रहे थे क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं जॉन के उपहार के लिए रुपये कम न पड़ जाएँ उन्होंने जॉन को चूमा और सोने चले गए । अगली सुबह जॉन ने आँखे खोली तो पिता को खड़ा पाया। जैसे कह रहे हो -"धन्यवाद सैंटा" !

**डा. विश्वबंधु का कहना है कि हिंदी का कोई भी शब्द अपना नहीं है, जिसमें विभिन्न राज्यों की बोली के शब्दों का मिश्रण है। वे पिछले दस साल से हिंदी के शब्द निर्माण विज्ञान पर कार्य कर रहे हैं और अभी तक पहला खंड पूरा हुआ है। इंटरनेट और मोबाइल के युग में युवा पीढ़ी के दिमाग व चरित्र भ्रष्ट हो रहे हैं और समाज भी पथभ्रष्ट हो रहा है।**

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

# इंटरनेट और मोबाइल के युग में भटकी युवा पीढ़ी

साहित्यकारों ने हर विधा में साहित्य सृजन करते हुए सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर समाज को सकारात्मक विचारधारा के लिए नई ऊर्जा देने में योगदान दिया है। वहीं अपनी संस्कृति तथा परंपराओं के संवर्धन के लिए भी साहित्य साधना के माध्यम से नई पीढ़ियों की राह प्रशस्त करने का प्रयास में जुटे साहित्यकारों में डा. विश्वबंधु शर्मा एक ऐसे मूर्धन्य विद्वानों में शुमार हैं, जिन्होंने हरियाणा की लोक कलाओं और संस्कृति के स्वरूप व उसे पहचान दिलाने के लिए हरियाणवी, हिंदी और संस्कृत भाषा में साहित्य सृजन कर रहे हैं। उन्होंने हरियाणा का व्याकरण लिखकर हरियाणवी भाषा के साहित्यकार के रूप में तो लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वे पिछले दस साल से हिन्दी भाषा के व्याकरण करके 'शब्द निर्माण विज्ञान' पर गहनता से कार्य करने में जुटे हुए हैं। उनकी यह साहित्य साधना हिंदी जगत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। गद्य एवं पद्य में लेखन करने वाले डॉ. विश्वबंधु शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर के बारे में हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनकी साधना साहित्य जगत को नया आयाम देने में सक्षम हो सकती है। विश्वबंधु शर्मा का जन्म 02 सितम्बर, 1953 को भिवानी जिले के पुर गांव में संस्कृत के प्रकांड पंडित ब्रजलाल शास्त्री और श्रीमती अंती देवी के घर में हुआ। उनके पिता ब्रजलाल उस समय के उत्तर भारत के एक मात्र अग्निहोत्री थे। मसलन उनके परिवार में दियासलाई से आग जलाना प्रतिबंधित था और परिवार में पांच कुंड से अग्नि लेकर ही चूल्हे के अलावा अन्य आग जलाई जाती थी। परिवार में साहित्य और संस्कृति के माहौल में विश्वबंधु को उनके पिता ने संस्कृत श्लोक कंठस्थ करा दिये थे। डॉ. विश्वबंधु शर्मा ने बताया कि विरासत में मिली साहित्य-संस्कृति की वजह से बचपन से ही उन्हें साहित्य, कला एवं परंपरागत संस्कृति में रुचि हो गई। छात्र जीवन में स्कूल में साप्ताहिक बाल सभाओं में वे कविताएं सुनाने लगे थे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा भाषण प्रतियोगिताओं में जहां भी वह हिस्सा लेते थे, तो प्रथम पुरस्कार उन्हीं को मिलता था। जब वह कक्षा सात में पढ़ रहे थे, तो साल 1967 में उनके पिता का बीमारी के चलते निधन हो गया। इस वजह से स्कूल जाना कम हो गया और घर की जिम्मेदारियां बढ़ गई। किसी तरह से द्वितीय श्रेणी में मैट्रिक पास कर ली। भिवानी में उनके विज्ञान के शिक्षक रामेश्वरदास पुरी उनसे प्रेम करते थे, जो उसे अपनी ससुराल साहनेवाल (पंजाब) ले गए, जहां उनकी ससुराल में लाला छज्जूमल को काम करने वाले लड़के की जरूरत थी। दो साल तक उनके यहां काम किया और वहीं से लाला की मेहरबानी ने उन्होंने साल 1970 में प्रभाकर पास किया। लाला छज्जूमल ने उन्हें गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल प्रतापपुरा, जालंधर में हिंदी अध्यापक लगवा दिया। उसके बाद वह हिसार आ गये, जहां से ओटी की परीक्षा पास की। बकौल डा. विश्वबंधु शर्मा उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए अपने छोटे भाईयों को भी पढ़ाया, जिनमें से एक फौज में गया और कारगिल युद्ध में शहीद हुआ और दो भाई शास्त्री हो गये। उन्होंने खुद दो विषयों में एमए किया। राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर से उन्होंने साठोत्तरी हिंदी में शोधकार्य कर पीएचडी की, जबकि आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन कर डी.लिट की उपाधि हासिल की है। सितंबर 1981 में डा. शर्मा वैश्य कालेज रोहतक में हिंदी विभाग में लेक्चरार नियुक्त हुए और 20 साल तक विभागाध्यक्ष रहने के बाद सितंबर 2013 में एसोसिएट प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

### प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. विश्वबंधु शर्मा की प्रकाशित 30 पुस्तकों में साठोत्तर हिन्दी-महाकाव्यों में पात्र-कल्पना, संक्षिप्त भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा भास्कर, चेत मछंदर गोरख आया( हरियाणवी उपन्यास), जामदग्नेय (उपन्यास), आपणा मरण जगत की हाँसी व कोरी हाण्डी (हरियाणवी झलकी संग्रह), भगत सुदामा (हरियाणवी खण्डकाव्य), दुर्गा चरित (हरियावणी महाकाव्य), चासणी (हरियाणवी कविता-संग्रह), हरियाणा के लोकगीत (संपादित), भारत का सूरज : सूरजमल (हरियाणवी ऐतिहासिक उपन्यास), लाला छज्जूमल (संस्मरण संग्रह), दीवानों का मसीहा

डॉ. विश्वबंधु शर्मा

### पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से झलकी संग्रह 'अपणा मरण जगत की हांसी' और साठोत्तरी हिंदी कविता पर प्रथम पुरस्कार हासिल करने वाले डॉ. विश्वबंधु शर्मा को अकादमी द्वारा जनकवि मेहर सिंह सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उन्हें उदयभानु हंस वरिष्ठ साहित्यकार सम्मान, रघुवीर सिंह मथाना पुरस्कार, सारस्वत सम्मान, शाश्वामृत सम्मान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी समृति सम्मान, कलम नायक सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, विद्यासागर सम्मान, साहित्य कौस्तुभम् अलंकरण सम्मान, कबीर सम्मान के साथ ही अध्यापन

### व्यक्तिगत परिचय

**नाम:** नाम: डॉ. विश्वबंधु शर्मा
जन्मतिथि: 02 सितम्बर, 1953
जन्म स्थान: ग्राम-पुर, तहसील-बवानी खेड़ा, जिला-भिवानी (हरियाणा)
शिक्षा: एमए(इतिहास), एमए (हिन्दी), पीएचडी, डी.लिट्
सम्प्रति: सेवानिवृत्तअध्यक्ष, हिन्दी विभाग, वैश्य कॉलेज, रोहतक (हरियाणा), पूर्व प्रो. बीएमयू, स्वतंत्र लेखन

# इंद्रधनुषी कविताएं: तुम बिन सूना मधुमास

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

कविता मन की अभिव्यक्ति होती है। कवि जैसी भी परिस्थिति को देखता है वैसी ही कविता का सृजन करता है। कवि अपनी पुस्तक में सभी तरह की रचनाओं का संग्रह करता है। इस दृष्टि से सुमन लता का काव्य संग्रह तुम बिन सूना मधुमास अपने आप में विविधता लिये हुए है। साधारणतयाः एक कवि समाज की विभिन्न समस्याओं, विसंगतियों पर कलम चलाता है, लेकिन सुमन लता ने इन सबके साथ साथ सभी विधाओं में अपनी लेखनी चलाई है। यह वाकई इस काव्य संग्रह को इंद्रधनुषी बनाता है।

**पुस्तक : तुम बिन सुना मधुमास**
**लेखक: सुमन लता**
**मूल्य : 250 रुपये**
**प्रकाशक: सुकीर्ति प्रकाशन**

कवयित्री ने अपनी पुस्तक में कविताओं के साथ-साथ हरिगीतिका छंद, सेवैया, मुक्तक आदि सभी को स्थान दिया है। सुमन ने अपनी कविताओं में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आए पतन के अलावा राष्ट्र प्रेम, प्रकृति के प्रति प्रेम, समर्पण समाज में आए छलकपट, जल संरक्षण कोरोना काल और नई पीढ़ी के प्रति चिंता जताते हुए मोबाइल के दुष्परिणाम सहित अन्य कविताओं को संग्रह करके समाज को जागरूक करने का प्रयास किया है। पुस्तक की शुरूआत ईश्वर की वंदना के साथ करके आस्तिक रहने का संदेश दिया है जो पाठकों में सकारात्मकता का संचार करता है।

पुस्तक में कुल मिलाकर 74 रचनाएं हैं। इनमें दो कविताएं पानी बचाने का संदेश देती हैं। होली जैसे उत्सव पर जिस तरह से पानी की बर्बादी की जाती है उसे पानी न बहाना और समाज में लगातार हो रहे पानी के अंधाधुंध प्रयोग को लेकर 'जल बचाओ' में चेताया गया है। 'धार्मिक हिंसा' में किस तरह आमजन राजनेताओं के हाथों की कठपुतली बनकर अपने ही भाइयों के सामने हथियार उठा लेता है उसे उजागर किया है। 'सरपंची चुनाव' में भी ग्रामीण स्तर पर नेताओं की हकीकत से रूबरू करवाने का प्रयास किया है। बेटियां समाज में सदियों से हर स्तर पर भेदभाव झेलती आ रही हैं, इसे कवयित्री ने 'बेटियां' कविता में दिखाया है।

सुमन लता की कविताओं की भाषा शैली सहज एवं सरल है। कई कविताओं में हरियाणवी टच भी है। पुस्तक में प्रूफ रीडिंग संबंधी खामियां कई जगह नजर आती हैं ये वाकई खलता है। कुल मिलाकर रुचिकर बन पड़ा है।

# जीवन में प्रेरणा का दीपक जलाती 'ऊर्जस्वी'

पुस्तक समीक्षा | डॉ. गोरख प्रसाद मस्ताना

जिस क्षण व्यक्ति प्रज्ञा पथी होने लगता है या ज्ञान की गंगा में डुबकियां लेने लगता है, उसके अंतःस्थल में उपस्थित भाव-पक्ष निरंतर जागृत होने लगता है और उसकी दृष्टि एक ओर वैज्ञानिक चिंतन तो दूसरी ओर आध्यात्मिक ऊर्जा से उर्जित होने लगती है। इसी मनःस्थिति में जर्स्वी" जैसी कृति का अवतरण होता है। 'ऊर्जस्वी' उसी क्षमता का एक उपहार है जिसमें 32 आलेख उपस्थित हैं। हर आलेख प्रेरणास्पद और ज्ञान का ऊर्जा स्रोत है, जिनमें लेखक की प्रतिभा, विज्ञता, गहन अध्ययन और चिंतन का समावेश है। तुलसी के पत्तों की भांति पवित्र भावाव्यक्ति साथ ही वैज्ञानिक चिंतन से समृद्ध यह कृति नृप जी का एक विशिष्ट प्रयास ही तो है। असफलता से सीखना सफ़लता ही तो है।, अंधेरा, अंधेरे से दूर नहीं होता, बदले की भावना का परित्याग, स्वार्थसाधन हेतु न बने अनैतिक, अहंकारी नहीं गुणवान बने, समय मूल्यवान है, सत्य की महत्ता, नैतिक मूल्यों का महत्व, सफल होने के लिए अनुशासन आदि अनेकानेक आलेख मात्र शब्दों के संयोजन नहीं हैं, जीवन दर्शन हैं, जिनका अध्ययन हमारे पथ को आलोकित करने वाला साधन है, पाथेय है। लेखक की दृष्टि में उसके आलेख केवल कल्पना विलास नहीं बल्कि जीवन को मथ कर निकाला हुआ सार है। किसी रचना का चिंतन जितना ही सरगर्भित होता है उसकी दृष्टि उतनी ही विशाल होती जाती है। किसी भी रचनाकार की कृति में उसके भीतर का व्यक्ति अभिव्यक्त होता है और वहां से जो साहित्य सृजन होता है वहीं उसका संघर्ष और कर्मशीलता प्रकट होती है, जो नियति का बंद द्वार खोलने में सक्षम होती है। नृप के अधिकारपूर्ण भाषा में यथावांछित विविधता है, जिसमें जीवन का सत्य भी है और भविष्य की योजना भी। नृपेंद्र अभिषेक नृप की यह कृति उसमें सन्निहित आलेख जहां जीवन की सफलता के लिए आवश्यक हैं, आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा भी हैं। मैं 'ऊर्जस्वी' के रचनाकार नृपेंद्र अभिषेक नृप की इस कृति की सफलता के लिए सर्वदा आग्रही हूँ। पाठकों के बीच यह कृति बहुत लोकप्रिय होगी। वे ऐसी और कृतियों से साहित्य को समृद्ध करेंगे।

**पुस्तक : ऊर्जस्वी**
**लेखक: नृपेन्द्र अभिषेक नृप**
**मूल्य : 199 रुपये**
**प्रकाशक: श्वेतवर्णा**

## खबर संक्षेप

### सत्य के मार्ग पर चलकर ईश्वर को पाना आसान

**महेंद्रगढ़।** बाबा ज्ञानगिरी आश्रम माजरा कलां में रविवार से भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा से पूर्व 200 महिलाओं ने गांव में कलश यात्रा भी निकाली। कथा के पहले दिन गांव खेड़ी निवासी कथावाचक महाराज श्री दास मोहित कौशिक ने बताया कि सत्य से ही भागवत का शुभारंभ होता है। सत्य से बड़ा कोई धर्म नही है। सत्य को पाकर भक्ति बड़ी आसान हो जाती है। आज भक्ति ज्ञान वैराग्य आदि की कथा की चर्चा की और साथ ही भागवत का महात्म सुनाया गया।

### डंपर की चपेट में आकर महिला घायल

**रेवाड़ी।** मसानी बस स्टैंड पर डंपर की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई। राजस्थान के राईला निवासी इंद्रा बस मसानी बस स्टैंड के पास झुग्गियों में रहती है। वह दूध लेने के लिए बस स्टैंड पर गई थी। सड़क पार करते समय एक डंपर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने उसके भाई के भाई नारायण के बयान पर डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

### गैस पाइप लाइन के आठ बंडल चोरी

**रेवाड़ी।** रामपुरा के आश्रम रोड पर चोर गैस पाइप लाइन के 8 बंडल चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में गैस पाइप लाइन बिछाने का ठेका लेने वाली कंपनी के सुपरवाइज शनिकुमार ने बताया कि उसने तुलाराम विहार में पाइप लाइन बिछवाने के लिए पाइपों के बंडल रखवाए थे। चोर 8 बंडल पाइप चोरी कर ले गए। आसपास पता करने के बाद भी पाइपों का सुराग नहीं मिला। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

### मारपीट और धमकी मामले में तीन काबू

**बावल।** ओढ़ी में एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गांव के एक व्यक्ति ने एसपी को दर्ज शिकायत में आरोप लगाया था कि गांव के कुछ लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने 28 नवंबर को केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने देवेंद्र, विकास व गौरव को गिरफ्तार कर लिया।

### एनडीपीएस एक्ट के आरोपी भेजे जेल

**रेवाड़ी।** एनडीपीएस एक्ट के तहत शनिवार को काबू किए गए दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने विकास नगर निवासी योगेश व एचएसएनबीसी की टीम ने सेक्टर-1 निवासी संजीव को नशीले पदार्थ बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों को केस दर्ज करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

### लापरवाही के आरोप में गाड़ी चालक गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** रामपुरा थाना पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाकर सड़क हादसे को अंजाम देने के आरोपी गाड़ी चालक को गिरफ्तार किया है। 18 दिसंबर को हरीनगर फ्लाईओवर हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हादसे के बाद गाड़ी चालक फरार हो गया था। जांच के बाद पुलिस ने मयूर विहार निवासी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

### डवाना प्रकरण में एक और आरोपी गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** गांव डवाना में जमीन पर कब्जे को लेकर 6 दिसंबर को हुए घमासान में हत्या के प्रयास और मारपीट मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले के कई आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। डवाना निवासी राजबीर के बयान पर कसोला पुलिस ने 28 नवंबर को केस दर्ज किया था। पुलिस ने घटना के बाद कई आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

## अब तक जिले में चार बेटियों को दी जा चुकी है मुफ्त इलेक्ट्रिक स्कूटी

# भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों की बेटियों को सरकार दे रही इलेक्ट्रिक स्कूटी

हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट पर पंजीकृत मजदूरों को मिलता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

**नारनौल।** लेबर विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन करती उपायुक्त मोनिका गुप्ता। *फोटो : हरिभूमि*

प्रदेश सरकार हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से श्रमिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। इसी कड़ी में श्रम विभाग की ओर से पंजीकृत निर्माण मजदूर की बेटी की उच्चतर शिक्षा के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटी दी जाती है, ताकि वह कॉलेज में आसानी से जा सकें। अधिक जानकारी के लिए एचआरवाईएलएबीओयूआर डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर या श्रम विभाग के स्थानीय कार्यालय से भी संपर्क कर सकते हैं। दिसंबर माह में जिले में चार कर्मकारों की बेटियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी मुफ्त में दी गई हैं। गीता महोत्सव के दौरान लेबर विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी देते हुए उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों को हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट पर अपने आप को पंजीकृत करवाना होगा। वेबसाइट पर पहला भाग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों की ऑनलाइन सेवाओं के लिए है। इस भाग में निर्माण श्रमिक स्वयं को पंजीकृत करवा सकते हैं व अपने परिवार का ब्यौरा व बोर्ड की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकृत श्रमिक के बेटी को कॉलेज और उच्च शिक्षा संस्थान के मुखिया की ओर से जारी किया गया प्रमाण-पत्र अपलोड करना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ केवल उन्हीं बेटियों को मिलेगा जो हरियाणा की मूल निवासी हो और राज्य के ही किसी शिक्षण संस्थान में पढ़ाई कर रही है। इसके अलावा श्रमिक की बेटी की उम्र 18 साल होनी चाहिए और वो शादीशुदा नहीं होनी चाहिए। श्रमिक की बेटी के पास दोपहिया वाहन चलाने का वैध लाइसेंस होना चाहिए। इसके अलावा विभाग विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सन्निर्माण में लगे पंजीकृत मजदूरों को लाभ दे रहा है। श्रमिक को साइकिल की खरीद की अदायगी के रूप में 3000 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकृत मजदूरों को 36000 रुपये मातृत्व तथा 21000 पितृत्व का लाभ भी दिया जाता है।

### पंजीकृत मजदूरों को कन्यादान योजना के तहत 51000 रुपये दिए जाते हैं

पंजीकृत कामगार के बच्चों की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता 8000 से 20000 रुपए तक दी जाती है। उपायुक्त ने बताया कि पंजीकृत मजदूरों को कन्यादान योजना के तहत 51000 रुपये दिए जाते हैं। इसी प्रकार बच्चों की शादी पर वित्तीय सहायता लड़का 21000 रुपये और लड़की 50000 रुपये की सहायता दी जाती है। वहीं महिला श्रमिक की स्वयं की शादी पर 50000 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण पर वास्तविक किराये की प्रतिपूर्ति भी बोर्ड की ओर से की जाती है। मुख्यमंत्री महिला निर्माण श्रमिक सम्मान योजना के तहत 5100 रुपये दिए जाते हैं। पंजीकृत मजदूर को घातक बीमारियों के इलाज के लिए 500000 रुपये तक दिए जाते हैं।उपायुक्त ने जिले के भवन एवं अन्य सन्निर्माण में लगे मजदूरों से आह्वान किया है कि वे बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपने आपको पंजीकृत करवाएं। यह सभी योजनाएं पंजीकरण के बाद ही दी जाती हैं। ऐसे में जल्द से जल्द मजदूर अपने आपको इस साइट पर पंजीकृत करवाएं। गत दिवस आईटीआई मैदान में लगाई गई प्रदर्शनी में लेबर विभाग के अधिकारियों ने भी मजदूरों को पंजीकृत करने के लिए अपनी स्टॉल भी लगाई थी। उपायुक्त ने काफी देर तक विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

## आंबेडकर स्मारक समिति की हुई बैठक, भवन निर्माण को लेकर किया गया विचार: विमर्श

**महेंद्रगढ़।** डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति के तत्वाधान में रविवार को डॉ. आंबेडकर भवन के भूमितल निर्माण कार्य को लेकर प्रशासक डॉ. ओपी आर्य की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न की गई। बैठक में का एजेंडा रखते हुए पन्नीलाल माजरा खुर्द ने बताया कि इसके लिए सभी इच्छुक ठेकेदारों से टेंडर आमंत्रित किए गए थे। जो आज प्रशासक की उपस्थिति में सभी के समक्ष खोले गए। निर्माण को लेकर भेजे गए सात ठेकेदारों ने आवेदन किए थे, जिनमें छह ठेकेदारों के आवेदनों में कुछ त्रुटियां पाई गई, जिस कारण उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए। सातवें आवेदक के एकल होने के कारण उन्हें भी इस प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जा सका। प्रशासक डॉ. ओपी आर्य ने बताया कि उक्त भवन निर्माण को लेकर टेंडर प्रक्रिया के लिए दस्तावेज पूरे होने पर ही आगामी कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए समिति सदस्यों की एक बैठक करके पुनः समय निर्धारित कर सभी को सूचित कर दिया जाएगा। ताकि भवन निर्माण को लेकर कोई भी अव्यवस्था ना रहे। इस मौके पर समिति के सदस्यों सहित अनेक लोग शामिल थे।

## टाइगर क्लब परिवार मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए रवाना

**नारनौल।** मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए टाईगर क्लब की 10वीं बस यात्रा को अध्यापक संघ की पूर्व उप प्रधान बिमला यादव ने मां की झंडी दिखा किया रवाना। टाईगर क्लब परिवार की यात्रा के संयोजक नरेंद्र बंसी, मुख्य संरक्षक राकेश यादव, प्रधान डा. शिवकुमार ने बताया कि टाईगर क्लब परिवार की 10वीं मां वैष्णो देवी यात्रा पुरानी कचहरी मैदान से चलकर दंताल मंदिर, पठानकोट, कटरा, जम्मू मां वैष्णो देवी, अमृतसर स्वर्ण मंदिर, बाघा बार्डर, कुरुक्षेत्र सरोवर होते हुए वापस नारनौल आएगी। टाईगर क्लब परिवार के मुख्य संरक्षक राकेश यादव, नरेंद्र बंसी ने बताया कि वहां पर माता की चौकी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य यजमान राकेश यादव मित्रपुरा वाले होंगे। माता की चौकी के पुरोहित नारायण शास्त्री रहेंगे। टाईगर क्लब परिवार के सभी सदस्य 51 मां की ध्वजा मां के दरबार तक लेकर चलेंगे। इस मौके पर अटेली शाखा के प्रधान सवितराज, गौरक्षा दल के जिला अध्यक्ष बिट्टू लांबा, प्रधान शिवकुमार, मुख्य संरक्षक राकेश यादव, मनीष गोगिया, जीतू रहीस, पारस शर्मा, संजय सैनी, नीरज चौधरी, कुनाल यादव, अरुण सोनी आदि मौजूद थे।

## प्रगतिशील किसान व महिला उद्यमी हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

**महेंद्रगढ़।** किसान को सम्मानित करते कृषि मंत्री जेपी दलाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में 23 दिसंबर को किसान दिवस पर जिले के प्रगतिशील किसान तेजप्रकाश निवासी बोचड़िया व महिला उद्यमी सविता निवासी कोटिया को कृषि मंत्री जेपी दलाल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व विस्तार निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी मौजूद रहे। केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि प्रगतिशील किसान तेजप्रकाश पिछले 20 वर्षों से खेती का कार्य कर रहे हैं। गुणवत्ता पूर्ण उपज और कीमतें मिलने के अलावा, उनके खेतों में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। प्राकृतिक खेती धीरे-धीरे समय की जरूरत बनती जा रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्र के साथ राज्य सरकार भी भरसक प्रयास कर रही है। महिला उद्यमी सविता ने केंद्र से प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना काम शुरू किया तथा आज सविता कनीना कोर्ट परिसर में अनमोल फूड कार्नर के नाम से अपना व्यवसाय चला रही हैं। डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन आधारित प्रशिक्षणों के द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की ओर बढ़ाया जा सकता है। यदि महिलाएं इन कौशलों को स्वयं सहायता समूह बनाकर करें चाहे तो पूरे समाज व गांव की काया पलट सकती हैं। जिले की ग्रामीण महिलओं को कृषि व गृह विज्ञान संबंधित घरेलू उद्योगों में प्रशिक्षण हेतु कृषि विज्ञान केंद्र कृत संकल्प है। केंद्र ने इस कार्यक्रम को दिखाने के लिए जिले के 50 किसानों का दल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार भी ले कर गया था।

## श्री रामलीला परिषद् में हुई श्रद्धांजलि सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्री रामलीला परिषद् के उपप्रधान व वरिष्ठ कलाकार दिनेश मेहता के पिता स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण मेहता की रामलीला परिषद में रविवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। रामलीला परिषद् संरक्षक दयाशंकर तिवारी, गिरीश कनोडिया, राजेश लवानिया, सोहन टैनी, रमेश शर्मा, कमल सैनी आदि वक्ताओं ने लक्ष्मी नारायण मेहता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लक्ष्मीनारायण मेहता का आकस्मिक निधन पर समाज व नगर को जो क्षति हुई है, वह बड़ी असहनीय है। उन्होंने कहा कि मेहता ने अपने पद पर रहते हुए ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा की जो मिशाल प्रस्तुत की वह हमें सदैव प्रेरणा देती रहेगी। मेहता का हंसमुख व्यक्तित्व और विनोदपूर्ण वृति सदैव स्मरण रहेगी। इस विषय में लक्ष्मी नारायण मेहता सदैव याद किए जाएंगे।

**महेंद्रगढ़।** स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण मेहता को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर संरक्षक घीसाराम सैनी, रामचंद्र जांगड़ा, राजेश लवानिया, प्रमोद तिवाडी, विकास तिवाडी, सुभाष तिवाडी, दिलीप गोस्वामी, अभिषेक यादव, महेश, हरीश, कुलदीप कानोडिया, दीपक गौड़, शेरसिंह यादव, महेश कुमार, सुरेश पंचोली, सुनील यादव, कमल, भोप्पा, विक्की प्रजापत, कमल सैनी, रमेश शर्मा जाटवास वाले, पतराम, जयसिंह सैनी, डॉ. मोनू सेन व भूपेंद्र सोनी सहित गणमान्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## श्रीराम कथा हमें बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म की जीत की देती है सीख: शास्त्री

**नारनौल।** हुडा सेक्टर एक में स्थित प्लाट नम्बर 166 पर महिला मंडल की ओर से आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। महिला मंडल की ओर से आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का विधिवत रूप से वृंदावन के महाराज जय कृष्ण शास्त्री व उनके शिष्य रोहित मिश्रा ने समापन किया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति दी। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इससे पूर्व कथा के माध्यम से महाराज ने बताया कि श्रीराम का चरित्र जो भी इंसान अपना लेता है वह जिंदगी में कभी विफल नहीं होता। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को हमेशा सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए। सच्चाई के रास्ते पर चलने में कठिनाई जरूर आएगी, लेकिन व्यक्ति सफलता जरूर प्राप्त करेगा। श्रीराम कथा हमें सबसे बड़ी सीख यही देते है किसी प्रकार संघ शक्ति द्वारा बुराई पर अच्छाई की, अधर्म पर धर्म की जीत संभव है।

## शिविर में सैकड़ों मरीजों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

एसडी ग्रुप ऑफ स्कूल विद्यार्थियों को एकेडमिक शिक्षा के साथ चंहुमुखी विकास के लिए प्रयत्नशील है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों का भी निर्वहन किया जाता है। इसी कड़ी में एसडी शिक्षा समिति की ओर से रविवार को निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दूर-दराज से आए सैकड़ों मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी तलवाना के प्रांगण में सुबह 10 बजे से दो बजे तक चले इस स्वास्थ्य जांच शिविर को लेकर विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि विभिन्न जांच के लिए विशेषज्ञों का आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि हृदय रोग विशेषज्ञ डा. दीपक वत्स, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अनुभूति यादव, हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. कुलदीप यादव, ईएनटी विशेषज्ञ डा. विक्रांत डागर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. अनंत दूबे व डा. प्रेम वर्धन की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। इस दौरान बीपी, शुगर, ईसीजी भी निःशुल्क की गई। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से इससे पूर्व छह कैंप लगाए जा चुके है। जिनमें 1020 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन करवाया जा चुका है। इस मौके पर विद्यालय के सीईओ आरएस यादव, प्राचार्य ओमप्रकाश यादव आदि मौजूद थे।

कनीना। एसडी स्कूल में आयोजित शिविर में जांच करते चिकित्सक। *फोटो : हरिभूमि*

## बच्चे के अच्छे भविष्य के लिए संस्कार व शिक्षा का योगदान अहम: अनीता यादव

**नारनौल।** एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में रविवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से बारहवीं कक्षा के बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। स्कूल में आए अभिभावकों का बच्चों ने तिलक कर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। परीक्षा में विद्यार्थियों के परिणाम उत्कृष्ट रहे। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों के प्रदर्शन की जानकारी दी और बच्चों की परिणाम रिपोर्ट साझा की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अनीता यादव ने शानदार परिणाम के लिए सभी अभिभावकों को बधाई दी व कहा कि एक बच्चे के अच्छे भविष्य के निर्माण के लिए संस्कारों तथा अच्छी शिक्षा का बहुत अधिक योगदान होता है। विद्यालय के चेयरमैन सियाराम यादव ने सभी आए हुए माता-पिता का धन्यवाद दिया और कहा की देश की तरक्की में युवा विद्यार्थियों की अहम भूमिका होती है। यदि देश का युवा वर्ग शिक्षित होगा तो देश भी तरक्की करेगा।

## सम्मान समारोह का राधाकृष्ण समारोह स्थल में आयोजित किया

# इतिहास लेखन में सहयोगियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

**नारनौल।** सम्मान समारोह को संबोधित करते सत्यव्रत शास्त्री। *फोटो : हरिभूमि*

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था ने नगर के ऐतिहासिक इतिहास लेखन हेतु सहयोग करने वाले लोगों का सम्मान समारोह का आयोजन राधाकृष्ण समारोह स्थल में आयोजित किया। जिसकी अध्यक्षता दलजीत शास्त्री ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि देश में सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करने की पुरातन परम्परा है। महाभारत काल से आरंभ हुई अहीरवाल संस्कृति एक समृद्ध संस्कृति रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पाण्डवों के वनवास काल के अनेक प्रसंग तथा ऐतिहासिक इमारतें हैं। जिनसे इस क्षेत्र की ऐतिहासिकता का बोध होता है। अहीरवाल की समृद्ध परम्परा में वीरता, विद्वता और ऐतिहासिकता का विशाल भंडार है। उन्होंने नगर के सभी प्रबुद्ध लोगों को आह्वान किया कि अभी लेखन कार्य शुरू हुआ, हमें गंभीरता से लोगों से सम्पर्क कर अपने पूर्वजों के किए त्याग, तपस्या और साधना का रिकॉर्ड एकत्र करना है। इसकी प्रमाणिकता पर कोई संदेह नहीं रहना चाहिए। सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि आज हमारी प्राथमिकता को जनता तथा वैचारिक लोग स्वीकार करने लगे हैं। गत दिनों राजस्थान के विधानसभा चुनाव की समीक्षा में राष्ट्रीय चैनलों ने अहीरवाल क्षेत्र को पहली बार अलग से उल्लेखित किया है। इसके लिए सत्यव्रत शास्त्री ने सभी प्रकार के मीडिया हाउसों का धन्यवाद किया। आज के कार्यक्रम का मंच संचालन राजेश शास्त्री ने किया। सभी उपस्थित लोगों का स्वागत व धन्यवाद नगर संयोजक रामसिह मधुर ने किया। इस मौके पर नगर के लोगों के अलावा नांगल चौधरी इकाई के संयोजक ओमप्रकाश रावत, सिहमा इकाई के डा. राजपाल व ओमप्रकाश खनगवाल, नारनौल इकाई के सत्यवीर यादव, ओमप्रकाश यादव व राजकुमार यादव, मीडिया प्रभारी शीशपाल यादव, कोषाध्यक्ष राजवीर यादव आदि मौजूद थे।

## बाबा जयरामदास का मेला छह फरवरी को

**महेंद्रगढ़।** गांव पाली में बाबा जयरामदास महाराज का 75वां विशाल मेला छह फरवरी को होगा। मेले से पूर्व अनेक खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। गांव पाली के सरपंच देशराज सिंह फौजी ने बताया कि मेले से पूर्व खेल मैदान में अनेक खेल प्रतियोगिता करवाई जाएंगी। प्रतियोगिता में क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबाल, दौड़ 200 मीटर से 5000 मीटर, बच्चे की दौड़, बूढ़ो की दौड़, लड़कियों की दौड़ भी करवाई जाएंगी। इसके अलावा 100 से 51 हजार रुपये तक की कुश्ती, कबड्डी में प्रथम टीम को एक लाख 21 हजार रुपये तथा द्वितीय को 81 हजार रुपये नकद दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 23 जनवरी से विशाल क्रिकेट प्रतियोगिता करवाई जाएंगी, जिसमें प्रथम टीम को दो लाख एक हजार रुपये तथा आधा किलो चांदी का कप दिया जाएगा तथा क्रिकेट में द्वितीय टीम को एक लाख 21 हजार रुपये व 250 ग्राम चांदी का कप दिया जाएगा। इसके अलावा क्रिकेट में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब पाने वाले खिलाड़ी को बाइक भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कबड्डी, वॉलीबॉल व दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ पांच फरवरी को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन सभी खेल प्रतियोगिता में खाने-पीने व ठहरने की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। इसके अतिरिक्त लड़कियों की कबड्डी का आयोजन की भी शुरुआत की गई है, जिसमें प्रथम इनाम 51 हजार रुपये तथा द्वितीय को 31 हजार रुपये दिए जाएंगे।

## खबर संक्षेप

### पुलिस ने कनीना में चलाया सर्च अभियान

**कनीना।** क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर पुलिस प्रशासन ने रविवार को झुग्गी-झौपड़ियों में सर्च अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक नीतिश अग्रवाल के दिशानिर्देश पर कनीना सिटी व सदर थाना पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर झुग्गी डालकर रह रहे प्रवासी नागरिकों के ठिकानों की जांच की। थाना अध्यक्ष कमलदीप राणा ने कहा कि कड़ाके की ठंड में चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं।

### विद्यार्थियों ने बनाए 21वीं सदी के वर्किंग मॉडल

**महेंद्रगढ़।** बीआर स्कूल सेहलंग में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक, एजुकेशनल कार्निवल एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि चेयरमैन हरीश भारद्वाज, विशिष्ठ अतिथि प्राचार्य राममोहन वशिष्ठ व अध्यक्षता उपप्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से 12वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अभिभावकों ने शिक्षकों के साथ आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा व प्री-बोर्ड पर मंथन किया।

### सब डिवीजन बनाना मेरी पहली प्राथमिकता: राव

**मंडी अटेली।** विधानसभा क्षेत्र अटेली के गांव चंदपुरा व मोहलड़ा में रविवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री राव नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में मंडलम कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें जिला प्रभारी गोपाल सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस मौके पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि आज हरियाणा का हर वर्ग प्रदेश की मौजूदा गठबंधन सरकार से बेहद दुखी व परेशान है। आज महंगाई सहित बेरोजगारी चरम पर है।

### पूर्व जिला उपायुक्त का किया स्वागत

**महेंद्रगढ़।** जिला के पूर्व उपायुक्त एवं ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक डॉ. जेके आभीर का हाउसिंह बोर्ड रेजिडेंशियल वैलफेयर एसोसिएशन सिसोठ के सदस्यों व मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सदस्यों ने माला पहनाकर व पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। हाउसिंग बोर्ड कमेटी प्रधान शमशेर सिंह यादव, सचिव मास्टर नित्यानंद, सरपंच वीरेंद्र कुमार उर्फ विक्की, ममाज टीम सदस्य मुकेश चौहान व अनूप रिवासा सहित अन्य मौजूद रहे।

### नेशनल हाईवे पर कट की मांग को लेकर धरना

**कनीना।** नेशनल हाईवे 152-डी पर सेहलंग-बागोत के मध्य कट की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 287वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता लक्ष्मण सिंह सेहलंग ने की। उन्होंने कहा कि धरने पर बैठे ग्रामीण कड़ाके की ठंड से बीमार हो रहे है, लेकिन मिशन में अनवरत जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री के मंच से घोषणा करने के बाद भी कट का धरातल पर कार्य शुरू नहीं होना बड़े दुख की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही इस पर फैसला ले, अनयथा ग्रामीणों के सब्र का टूटने के कगार पर है। संघर्ष समिति के प्रधान विजय सिंह ने कहा कि धरने को 287 दिन बीत चुके है, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। इस मौके पर नरेंद्र शास्त्री, सतपाल सिंह, सूबेदार सुखबीर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

करीब आधा दर्जन जगह पर करीब चार साल पहले लगाए थे बोर्ड

# नो पार्किंग व नो वेडिंग जोन में खड़े हो रहे वाहन, शहर के बाजारों व सड़कों पर लग रहा जाम, लोग परेशान

## दुकानों के आगे रेहड़ियां भी बिना रोक-टोक के खड़ी हो रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन ने शहर को अतिक्रमण व जाम से मुक्त बनाने को लेकर शहर में करीब आधा दर्जन जगह पर करीब चार साल पहले नो पार्किंग नो वेडिंग जोन के बोर्ड लगाए गए थे। इसके लिए प्रशासन ने रेहड़ी व गाड़ी चालकों को वाहन खड़े करने के लिए जगह भी निर्धारित की गई थी, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के कारण अब वाहन बीच बाजार में ही इधर-उधर खड़े हो रहे है। इसके आलावा दुकानों के आगे रेहड़ियां भी बिना रोक-टोक के खड़ी हो रही हैं।

**लापरवाही का आरोप**

बता दें कि नपा प्रशासन ने शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए चार साल पहले शहर में जगह-जगह नो पार्किंग नो वेडिंग जोन के बोर्ड लगाए गए थे, जिसके लिए शहर के बाजार में रेहड़ी लगाना व वाहन को इधर-उधर खड़ा करने का जुर्माना का प्रावधान भी किया गया था। लेकिन नगर पालिका प्रशासन की सुस्ती के चलते यह प्रावधान सिरे ही नहीं चढ़ पाया है। नगर पालिका द्वारा ऑटो मार्केट में पार्क की जगह पर चार साल पहले अस्थाई पार्किंग बनाई गई थी।

**महेंद्रगढ़।** अंबेडकर चौक के पास बीच सड़क में खड़ी गाड़ियां। *फोटो : हरिभूमि*

### प्रशासन ने यहा लगवाए थे बोर्ड

नगर पालिका प्रशासन ने शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने शहर के बालाजी चौक, नगरपालिका कार्यालय के पास, आंबेडकर चौक, आईटीआई के सामने सहित अन्य स्थानों पर सूचना बोर्ड लगवाए थे। जिन पर नो पार्किंग जोन, नो वेडिंग जोन को लेकर निर्देश स्पष्ट किए गए है। पालिका के अनुसार शहर के मैन बाजारों में वाहनों के अलावा रेहड़िया भी नहीं खड़ी की जा सकती है। इस दौरान नगर पालिका ने रेहड़िया खड़ी करने के लिए किलारोड से लेकर देवीलाल पार्क की जगह निर्धारित किए गए थे कि जो लोग आदेशों की अवहेलना करेगा उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के चलते यह योजना सिरे ही नहीं चढ़ पाई। जिससे शहर को जाम मुक्त करने के लिए नगर पालिका प्रशासन की यह योजना खोखली साबित हो गई है।

### राधा-कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

**नारनौल।** राधा-कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 49वीं प्रभात फेरी राधा-कृष्ण पार्क नजदीक एमएएसडी स्कूल से निकाली। सर्दी की इस प्रभात फेरी में सैकड़ों की संख्या में पुरुष, महिलाएं व बच्चे ढोल-मदंग बजाते हुए राधे-राधे नाम का जाप करते नजर आए। सारा वातावरण ऐसा लग रहा था, जैसे कि वृंदावन की गलियों में राधा-रानी के भक्तों की टोलियां झूम रही हो। लोग घरों से बाहर निकलकर इस कीर्तन में सम्मिलित होते चले गए। वहीं लोगों ने घरों की छतों पर चढ़कर प्रभात फेरी का फूलों की वर्षा करके ठाकुर जी की आरती कर प्रसाद वितरण कर प्रभात फेरी का स्वागत किया। परिक्रमा करके प्रभात फेरी का समापन राधा-कृष्ण पार्क में ही किया गया।

## सीएम से लेकर विधायक तक समाधान की गुहार लगा चुके वार्डवासी

# वार्ड दो में आठ माह से सीवर लाइन ओवरफ्लो, परेशान हो रहे लोग

**नांगल चौधरी।** वार्ड 2 में भरा हुआ सीवर का गंदा पानी व सीवर पाइप की लीकेज परेशान लोग नारेबाजी करते हुए।

लोगों ने नपा विरोधी नारेबाजी करके धरने-प्रदर्शन का दिया अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नगर पालिका के वार्ड दो में बीते आठ महीने से सीवर की पाइप लाइन ओवरफ्लो है। गंदे पानी का आम रास्ते में भराव होने से लोगों को सांस लेना मुश्किल हो गया। परेशान लोग सीएम ट्वीटर, नपा प्रशासन व हलका विधायक के पास शिकायत दर्ज करवा चुके है। बावजूद समाधान नहीं होने पर गुस्साए वार्डवासियों ने बैठक की। जिसमें सरकार व विभाग विरोधी नारेबाजी करके अधिकारियों को 10 दिन में सीवर लाइन दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया। अन्यथा नपा कार्यालय पर धरने-प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी। इस अवसर पर धर्मबीर, रामसिंह, बिक्रम सिंह, बिट्टू, प्रकाशचंद, सुशीला, राधेश्याम, मालाराम, मुंशीराम नंबरदार ने बताया कि 2013 में मोहनपुर पंचायत को भंग करके नांगल चौधरी नपा में शामिल किया गया था। नपा को 13 वार्डोंर् में विभाजित करके संपूर्ण विकास की रूपरेखा बनाई गई थी। योजना के अनुसार करोड़ों की लागत से सभी वार्डोंर् में सीवर लाइन सुविधा मुहैया करवा दी गई, लेकिन लाइन दबाते समय ठेकेदार ने मापदंडों की पालना नहीं की, जिस कारण वार्ड दो में सीवर की लाइन ओवरफ्लो हो गई। गंदे पाकी भराव सड़क व आम रास्तों पर होने लगा है। थोड़ी बारिश होते ही गंदा पानी पूरे वार्ड में फैल जाता है।

जिसकी दुर्गंध में लोगों को सांस लेना भी मुश्किल रहता है। गंदगी की सर्वाधिक समस्या एससी मोहल्ले में है, जहां गंदे पानी के भाराव से पूरा रास्ता ब्लॉक हो गया, जिस कारण स्कूल वाहन व दोपहिया व्हीकल फंसने की समस्या बढ़ गई है। लोगों को घरों से बाहर निकलने के लिए ईंट या पत्थरों से पगडंडी बनानी पड़ती है। इस दौरान कई महिलाएं व पुरुष फिसलकर घायल हो चुके हैं। समस्या से नपा अधिकारी, चेयरमैन को अवगत करवाया गया था। उन्होंने सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर हलका विधायक को भी गंदे जलभराव से अवगत करवाया। समाधान नहीं होने पर सीएम ट्वीटर पर कंप्लेंट दर्ज करवाई, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने समाधान की झूठी रिपोर्ट देकर सीएम ट्वीटर की कंप्लेंट को फाइल करवा दिया। जिससे गुस्साए लोगों ने रविवार सुबह सरकार विरोधी नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्योंर् में भेदभाव होने के कारण शहर में अव्यवस्थाओं को बढ़ावा मिल रहा है।

### रिपेयर होने पर रास्ते का पक्का निर्माण संभव

नपा के सचिव सौरभ जैन ने बताया कि वार्ड दो में सीवर लाइन लीकेज होने के कारण एक रास्ते का पक्का निर्माण नहीं हो पाया। यह दो-तीन गांवों के इस प्रमुख रास्ते का पक्का निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग करवाएगा। रास्ते की सफाई नपा प्रशासन करवाएगा, लेकन यह लीकेज बंद होने के बाद ही संभव हो पाएगा।

### रिपोर्ट लेकर जल्द करवाएंगे समाधान

पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ अजय यादव ने बताया कि नांगल चौधरी नपा के वार्ड दो में सीवर ओवरफ्लो की शिकायत संज्ञान में नहीं। अब कनिष्ठ अभियंता तीन दिन के अवकाश पर है, उसके लौटने पर स्थिति रिपोर्ट लेकर जल्द ही समाधान करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि समस्या स्थल का निरीक्षण भी किया जाएगा।

**महेंद्रगढ़।** कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

# वार्षिकोत्सव में मेधावी बच्चे हुए सम्मानित

- बचपन प्ले स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मोदाश्रम मंदिर के सामने मौहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के समापन पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बेस्ट पेरेंट्स, बेस्ट टीचर, बेस्ट स्टूडेंट, मेधावी विद्यार्थियों के अतिरिक्त कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी बच्चों को पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया। विद्यालय चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि विद्यालय के वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन आयोजित सम्मान समारोह में पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी विशेष तौर पर शामिल हुए, जबकि पार्टी मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा भी उनके साथ वहां पहुंचे। वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक शेरसिं सैनी द्वारा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस दौरान बचपन प्ले स्कूल, ओम साईंराम इंटरनेशनल स्कूल एवं किड्स गार्डन प्ले स्कूल के बच्चों ने बहुत ही अच्छी तैयारी के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। उन्होंने बताया कि विद्यालय का यह दो दिवसीय वार्षिकोत्सव 23 दिसंबर शनिवार को प्रारंभ किया गया था, रविवार को इसके समापन पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन बच्चों द्वारा प्रस्तुत एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य, कव्वाली, गीत, भजन, रागनी, नाटक आदि बहुत ही शानदार रहे। बचपन प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत जय श्रीराम भगवाधारी समूह नृत्य, श्री ओम साईंराम इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत गणेश जन्मोत्सव नाटक तथा किड्स गार्डन प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत ये देश है वीर जवानों का समूह नृत्य सराहनीय रहा। इस मौके पर प्राचार्या चित्रा शर्मा, किड्स प्ले स्कूल प्राचार्या सविता यादव, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, प्रवीण दीवान, लालचंद सैनी एडवोकेट, दीपिका, ज्योति, नवीना कौशिक, अनुराधा, महिमा, रेखा यादव, रेणु, रितु, काजल, पूनम सोनी, रीटा शर्मा, ममता व पायल आदि उपस्थित रहे।

# सीएल में शिक्षक- अभिभावक बैठक

- बच्चों की शैक्षणिक विकास को लेकर मंथन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीएल पब्लिक स्कूल में रविवार को अध्यापक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकतम उपस्थिति देखी गई। इस प्रकार स्कूल के सुचारू संचालन व प्रगति के लिए अभिभावकों में उत्साहपूर्ण रूचि प्रदर्शित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य एक साझा मंच बनाना था, जहां शिक्षक व माता-पिता एक साथ आकर छात्र के प्रदर्शन पर चर्चा करें तथा उनके सीखने के अनुभव को और अच्छा करने के तरीके खोजें। शिक्षकों ने अभिभावकों को पिरीयोडिक परीक्षा के दौरान उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी।

साथ में उन्होंने बच्चे की प्रगति व कमजोरी के क्षेत्रों की पहचान की तथा बच्चे के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाया। स्कूल माता-पिता व शिक्षकों के बीच बेहतर समझ पैदा करने तथा स्कूल व अभिभावकों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाने का प्रयास करता है। इस अवसर प्राचार्य रविन्द्र यादव ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य माता-पिता को बच्चों के प्रति जगरूक करना।

**नारनौल।** बैठक में भाग लेते अध्यापक-अभिभावक। *फोटो : हरिभूमि*

# आगे बढ़ने का संदेश देते हैं दिव्यांग: अमित

- तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं अनुसंधान केंद्र नसीबपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन भी उत्साह से मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिक्षा और समाज के क्षेत्र में साझेदारी के महत्व को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दिव्यांग किसी भी सूरत में कमजोर नहीं होते, बल्कि यह भी सामान्य व्यक्ति से ज्यादा समर्पित एवं कठोर होते हैं और जो मन में ठान लेते हैं, उसे दिव्यांगता के बावजूद करके दिखाते है। यह हौसला उन्हें ही नहीं, पूरे समाज को जीने एवं आगे बढ़ने का संदेश देता है। हमें इन्हें मुख्यधारा में लाकर इन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। कार्यक्रम में आरपीएस स्कूल के डीन जेपी यादव ने प्रेरक उद्बोधन देते हुए अक्षमताओं को अपनी ताकत बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में इग्नू के डायरेक्टर एसके प्रसाद, वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा, कैप्टन हंसराज, टीपी सिंह, शोभा शर्मा, राजकुमार चौधरी, रघु वर्मा, वीरेंद्र मास्टर, शमशेर मास्टर, प्रिंसिपल कंवर सिंह, हैडमास्टर कर्मवीर, प्रधान अजीत जैन, पूर्व प्राचार्य जेपी कौशिक मौजूद रहे।

**नारनौल।** राष्ट्रीय सेमिनार का दूसरे दिन शुभारंभ करते हुए डीएसडब्ल्यूओ अमित शर्मा एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

### शिक्षा का महत्व बताया

लंच ब्रेक के बाद तकनीकी सेशन की शुरुआत हुई, जिसमें रिसोर्स पर्सन सुनील, नेहा, अनु और टीपी सिंह ने विद्यार्थियों के शिक्षण विधि को प्रभावशाली बनाने के लिए विविध उदाहरणों के साथ व्याख्यान दिया। इसके बाद चेयरमैन मुकेश गुप्ता ने बताया कि कई चीजें हम सुनकर या बोलकर नहीं सीख सकते, बल्कि हम चीजों को देखकर अधिक सीख सकते हैं। कार्यक्रम का दूसरे दिन चेयरपर्सन डॉ. कुसुम गुप्ता ने सभी का धन्यवाद किया।

## देश में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी की बनेगी सरकार : पूर्व शिक्षामंत्री

# सम्मान रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह : शर्मा

- मनोहरलाल के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में एक समान हो रहा है विकास : ओमप्रकाश यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला भाजपा कोर कमेटी की बैठक रविवार को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में हुई। इस बैठक में सात जनवरी को महेंद्रगढ़ की सब्जी मंडी में प्रस्तावित सम्मान समारोह के आयोजक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने रैली की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों से एकजुट होकर जुट जाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारवार्ता भी आयोजित की। इसमें उन्होंने कहा कि रैली में नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी, भाजपा राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्या पूर्व सांसद सुधा यादव मुख्य रूप से उपस्थित होंगी। इस अवसर पर उनका सम्मान किया जाएगा। रैली के संयोजक पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा होंगे। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ की सब्जी मंडी भाजपा के लिए हमेशा ही यादगार भीड़ जुटाती रही है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी इसी स्थान पर रैली को संबोधित करने आए थे। 2014 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से पहले उस समय के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इसी स्थान पर रैली को संबोधित किया था और उसी समय से प्रदेश में भाजपा के पक्ष में लहर चलने लगी थी। इसलिए अब इसी स्थान को चुना है। उन्होंने कहा कि रैली की तैयारियों के लिए 28 दिसंबर को सीएल फार्म हाउस में कार्यकर्ताओं की एक और बैठक बुलाई गई है।

**नारनौल।** पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व मंत्री प्रोण रामबिलास शर्मा व मंत्री ओमप्रकाश यादव। *फोटो : हरिभूमि*

### एक साथ चुनाव पर ये बोले

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारी मतों से जीत हासिल कर देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ करवाए जाने के सवाल पर कहा कि इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। यह राजनीति के अलावा समाजसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है। देश के किसी भी कौने में कोई आपदा आती है तो पार्टी का कार्यकर्ता आपदा से निपटने के लिए तन-मन-धन से जुट जाता है। उन्होंने दावा किया कि महेंद्रगढ़ में सात जनवरी को प्रस्तावित सम्मान रैली के लिए कार्यकर्ता पूरी मेहनत से सफल बनाएंगे। उन्होंने गठबंधन लोकसभा चुनावों में जारी रहने या नहीं रहने के सवाल पर कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा।